जिला मन्दसौर में विद्यमान प्रमुख खतरे

आपदा प्रबंध संस्थान भोपाल, द्वारा मन्दसौर जिले के अधिकारियों के अभिमुखीकरण हेतु एक प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन 29 जुलाई– 01 अगस्त 2008 को किया गया था। इस अभिमुखीकरण कार्यक्रम के दौरान जिले से कुल 09 अधिकारियों एवं स्वयंसेवी संगठन सेवा संस्था मन्दसौर के प्रतिनिधि द्वारा भागीदारी की गई थी। अभिमुखीकरण के दौरान प्रतिभागी अधिकारियों द्वारा समूह चर्चा एवं समूह कार्य के माध्यम से मन्दसौर जिले की प्रमुख सम्भावित खतरों का चिन्हीकरण किया गया। अभिमुखीकरण कार्यक्रम के दौरान चिन्हित खतरों को पुनः जिला कंसलटेंशन (परामर्श) कार्यक्रम 11–12 अगस्त 09 के दौरान जिले के प्रमुख अधिकारियों/प्राधिकृत विभागों एवं समूहों के सम्मुख प्रस्तुतीकरण किया गया। अधिकारियों/प्राधिकृत विभागों एवं समूहों द्वारा प्रदत्त जानकारी को शामिल करते हुए जिले में विद्यमान प्रमुख खतरों का चिन्हीकरण किया गया। चिहिन्हत खतरों का प्रस्तुतीकरण पुनः दिनांक 18–19 फरवरी 2010 को आयोजित द्वितीय कार्यशाला के दौरान किया गया। द्वितीय कार्यशाला के दौरान पूर्व चिन्हित 16 प्रकार के खतरों में एक और खतरें नाव दुर्घटना को भी शामिल किया गया। जिला मंदसौर में कुल 17 प्रकार के खतरे विद्यमान है जिनका विवरण निम्नवत है : –

मन्दसौर जिले में विद्यमान खतरे
भूकम्प
बाढ
बॉध का टूटना

घरेलू आग
जंगल की आग
औद्योगिक दुर्घटना
त्यौहार एवं मेला सम्बंधी दुर्घटना
सड़क दुर्घटना
रेल दुर्घटना
नाव दुर्घटना
खतरनाक रसायनों का परिवहन एवं भण्डारण
खदान दुर्घटना
महामारियां
सूखा
ओलावृष्टि
दंगा
एच0आई0वी / एड्स

मन्दसौर जिले के प्रमुख आपदओं का संक्षिप्त विश्लेषण

जिले के आपदा सम्बंधी 25 वर्षों के द्वितीयक आंकड़ों, प्रशिक्षण एवं कन्सलटेशन के दौरान चर्चा एवं समूह कार्य से प्राप्त जानकारियों, तथा ग्राम आपदा प्रबंधन निर्माण के दौरान किये गये क्षेत्र भ्रमण एवं स्थानीय समुदाय के साथ बातचीत/चर्चा के दौरान प्राप्त जानकारी के आधार पर किये गये विश्लेषण से मन्दसौर जिले में चिन्हित किये गये प्रमुख खतरों का विस्तृत विश्लेषण निम्नवत है–

1. भूकम्प

भूगर्भीय विश्लेषण के अनुसार जिला मन्दसौर सिसमिक जोन–2 में स्थित है अतः भूकम्प का खतरा जिला मन्दसौर में विद्यमान है। यद्यपि मन्दसौर जिले में भूकम्प का कोई इतिहास उपलब्ध नही है। परामर्श कार्यशाला के दौरान किये गये चर्चा के दौरान यह स्पष्ट रूप से निकलकर सामने आया कि विगत 100 वर्षों में जिला मन्दसौर में भूकम्प से किसी भी प्रकार की कोई हानि नही हुई है। परंतु गुजरात भूकम्प के दौरान 26 जनवरी 2001 को हल्के झटके महसूस किये गये थे।

2. बाढ

मन्दसौर जिले में लगभग प्रत्येक वर्ष बाढ की स्थिति बन जाती है इसका एक प्रमुख कारण यहॉ पर अति वर्षा एवं बॉधों से पानी का छोडा जाना है। मन्दसौर जिले में बाढ से प्रमुख रूप से दो तहसीलें गरोठ एवं सीतामऊ तथा मन्दसौर का नगरीय क्षेत्र प्रभावित होता है। जिले में मुख्यतः 34 गॉव तथा नगर पालिका क्षेत्र मन्दसौर के वार्ड नं0 30, 31, 33, एवं 21 बाढ की चपेट में आते हैं एवं लगभग दस हजार की आबादी प्रभावित होती है।

बाढ उन्मुख नदियों एवं प्रभावित होने वाले ग्रामों की सूची

क्र0	तहसील	नदीयों के नाम	संवेदनशील	गांधीसागर जलाशय 1316–1320 प्रभावित ग्राम
1	मन्दसौर	शिवना,	शहरी क्षेत्र 30, 31, 33, 21 वार्ड	
		सोमली		
		तुम्बड	अफजलपुर, इशाकपुर, मुन्डला	
2	सीतामऊ	चम्बल	शक्करखेडी, पायाखेडी, ढोर्रा, जवानपुरा, अरन्यागौड, आवरी, एल्बी, पिपला,	घाटाखेडी, गाडारिया, खेडी जागीर, लारनी, खत्रुखेडी, मिरयाखेडी, भगोर, खाईखेडा,
		शिवना	नाहरगढ बिल्लौद मार्ग प्रभावित	
		तुम्बड		
		गीडगंगा	अरन्या सुवासरा मार्ग	
3	गरोठ	चम्बल कन्ठाली	बंजारी, बंजारी का खेडा, भीलखेडी, ढाबा, चचावदा, उमरिया, मोजलाखेडी खुर्द,	करेलिया, रूपरा,

			बकाना, मोरडी, बालोद, चिडी, आक्या, खडावदा, आवली, रूपरा, बर्रामा	
4	भानपुरा	रेवा चम्बल	भीलखेडी, कवला, अंत्रालिया	कंवला, रामपुरिया, खेराखेडा भाट, सुरजना,
5	मल्हारगढ	रेतम शिवना	मंछाखेडी, पालरी, बालहेडा उर्फ ढाणी, सेसडी, आक्यामेडी,	खेजडी, टिडवास, पिपलखेडा, हिंगोरिया बडा, ढोरी
6	सुवासरा	चम्बल कन्ठाली		
7	दलौदा	तुम्बड शिवना		
8	शामगढ	चम्बल कन्ठाली		

जिले की बाढ उन्मुख नालों एवं तालाबों का विवरण–

क्र0	तहसील	नाला	तालाब
1	मन्दसौर	श्रवणनाला, बुगलिया	तेलिया, खोडाना, लामगरा,
2	सीतामऊ	कोई नही	लदुना,

3	गरोठ	कोई नही	कोई नही
4	भानपुरा	कोई नही	कोई नही
5	मल्हारगढ	कोई नही	कोई नही
6	सुवासरा	कोई नही	कोई नही
7	दलौदा	कोई नही	कोई नही
8	शामगढ	कोई नही	कोई नही

जिला मन्दसौर में बाढ आपदा प्रबंधन को दृष्टिगत रखते हुये विश्लेषण के दौरान उपलब्ध संसाधनों का विवरण निम्नवत है–

क्र0	संसाधन	संख्या
1.	मोटर वोट	02 गॉधी सागर जलाशय में उपलब्ध
2	लकड़ी नाव	02 गॉधी सागर जलाशय
3	लाइफ जेकेट	30 (25 आपदा विभाग, 5 जिला मुख्यालय)
4	लाइफ बाय	26 (22 आपदा विभाग, 4 जिला मुख्यालय)
5	ड्रम	20 नग
6	रस्सा	03 (1 आपदा विभाग, 2 जिला मुख्यालय) 03 नगर सेना में लम्बाई 50 मी0
7	बल्ली	20 नग
8	ट्यूब	75 नग
9	प्रशिक्षित तैराक	15
10	ड्रैगन टार्च	02 नगर सेना, 08 तहसीलों में, 02 कलेक्ट्रेट में
11	लोहे का कांटा	03 नग

3. बांध का टूटना

जिला मन्दसौर में बांध का टूटना एक प्रमुख खतरे के रूप में चिन्हित किया गया है, जिले में विद्यमान बांधों में किसी भी प्रकार का लीकेज अथवा बांध टूटने की स्थिति में बॉध के निचले हिस्से पर निवास करने वाली आबादी गम्भीर रूप से प्रभावित हो सकती है, जिले के प्रमुख बॉधों का विवरण निम्नवत है–

क्र0	तहसील	परियोजना / बॉध	प्रभावित / संवेदनशील क्षेत्र
1	भानपुरा	गांधीसागर जलाषय	राजस्थान के चित्तौडगढ, कोटा, सवाईमाधोपुर
2	मल्हारगढ	गाडगिल सागर,	मल्हारगढ, एवं नीमच जिला
		रेतम बेराज	नीमच जिला मनासा तहसील एवं मन्दसौर जिले का मल्हारगढ तहसील

गॉधी सागर जलाषय एवं गाडगिल सागर के नीचे के बसाहट वाले गॉवों का सूचीकरण किया जायेगा।

4. घरेलू आग

जिला मन्दसौर में घरेलू आग को भी एक प्रमुख खतरे के रूप में चिन्हित किया गया है। जिले के सभी तहसीलों को घरेलू आग के लिए संवेदनशील माना गया है। यद्यपि अभी तक किसी बडी आगजनी की घटना का इतिहास जिले में मौजूद नही है।

5. जंगल की आग

जिला मन्दसौर में जंगल की आग को भी एक प्रमुख खतरे के रूप में चिन्हित किया गया है। एवं जिले की भानपुरा तहसील को जंगल की आग के लिए सर्वाधिक संवेदनशील माना गया है। जिला वन अधिकारी से प्राप्त ऑकडों के विश्लेषण से स्पष्ट है कि जिला मन्दसौर में अभी तक किसी भी प्रकार की गंभीर क्षति नही हुई है। कुछ प्रमुख जंगल की आग से सम्बंधित दुर्घटनाओं का विवरण निम्नवत है–

क्र0	वर्ष	घटना दिनांक	प्रभावित रकबा	क्षति
1	2004	8 मार्च	16 हे0	किसी भी वन सम्पदा एवं वन्यप्राणी की क्षति नही हुई
2	2005	23 मार्च	15 हे0	किसी भी वन सम्पदा एवं वन्यप्राणी की क्षति नही हुई
3	2006	निरंक	निरंक	निरंक
4	2007	8 मार्च	60 हे0	किसी भी वन सम्पदा एवं वन्यप्राणी की क्षति नही हुई
5	2008	9 जनवरी, 13 जनवरी, 26 फरवरी, 3 मार्च, 10 नवम्बर, 14 नवम्बर	3 हे0 12 हे0 7 हे0 4 हे0 20 हे0 5 हे0	किसी भी वन सम्पदा एवं वन्यप्राणी की क्षति नही हुई
6	2009	3 मार्च 3 अप्रैल	20 हे0	किसी भी वन सम्पदा एवं वन्यप्राणी की क्षति नही हुई

स्त्रोतः जिला वनमण्डल, मन्दसौर

6. औद्योगिक एवं रासायनिक दुर्घटना

जिला मन्दसौर में औद्योगिक एवं रासायनिक दुर्घटना भी एक महत्वपूर्ण खतरे के रूप में विद्यमान है। अभी तक किसी भी बडे औद्योगिक हादसे की सूचना नही है। जिले की मन्दसौर, शामगढ, मल्हारगढ, दलौदा, गरोठ तहसील औद्योगिक एवं रासायनिक दुर्घटना के लिए सर्वाधिक संवेदनशील हैं। यद्यपि औद्योगिक एवं रासायनिक दुर्घटना का कोई पूर्व इतिहास उपलब्ध नही है। इन औद्योगिक इकाईयों में समय–समय पर कुछ छोटे–छोटे हादसे हुये भी परंतु इकाई स्थित संसाधनों द्वारा उनका नियंत्रण किया जाता रहा है। इन औद्योगिक इकाईयों द्वारा ऑन साइड एवं ऑफ साइड प्लान का निर्माण किया गया है, जिले के सम्बंधित विभाग (औद्योगिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा) से तैयार कार्ययोजना की प्रति प्राप्त कर जिला आपदा प्रबंधन कार्य योजना में सम्मिलत किया जायेगा।

7. मेला एवं त्योहार संबंधी आपदायें

मन्दसौर जिले में बहुत सी जगहों पर धार्मिक एवं अन्य मेलों का आयोजन किया जाता है जिसमें कई स्थानों पर हजारों की संख्या में जन समुदाय एकत्र होता हैं अतः इन स्थलों पर मेला से सम्बंधित होने वाले हादसों का खतरा बना रहता है। जिले में मेला एवं धार्मिक उत्सवों से सम्बंधित संवेदनशील क्षेत्रों का विवरण निम्नवत् है–

क्र0	तहसील	प्रभावित / संवेदनशील मेला
1	मन्दसौर	पशुपतिनाथ का मेला, कौमी एकता मेला, होली की रात को नाहर सैयद दरगाह, अनंत चतुर्थी, दशहरा मेला रावण दहन, मोहर्रम भन्डारा। प्रत्येक मेलों में 10–15 हजार की भीड होती है।
2	शामगढ	धर्मराजेश्वर, चन्दवासा गांव में सावन के तीसरे सोमवार तथा शिवरात्रि के समय 10–15 हजार की भीड होती है। पशु मेला
3	सीतामऊ	मोहरर्म, रामदेवजी की टेकरी, कचनारा पर भादौ की दूज पर आयोजित मेले में 10–15 हजार की भीड होती है।

4	भानपुरा	दुधाखेडी माताजी मंदिर में नवरात्रि के समय 10–15 की भीड होती है।
5	मल्हारगढ	रामदेवजी का मेला 10–15 हजार की भीड
6	सुवासरा	पशु मेला लगभग 10 हजार की भीड
7	दलौदा	नव गठित तहसील विवरण अप्राप्त।
8	शामगढ़	नव गठित तहसील विवरण अप्राप्त।

8. सडक दुर्घटना

जिला मन्दसौर से गुजरने वाले कुछ प्रमुख मार्गों तथा उनकी लम्बाई का विवरण निम्नवत है–

1. राज्य मार्ग 79

क्र0	तहसील	विवरण
1	मन्दसौर	बोतलगंज से मन्दसौर एवं फतेहगढ कुल दूरी 18 कि0मी0
2	मल्हारगढ	बोतलगंज से चलदू नीमच सीमा कुल 20 कि0मी0
3	दलौदा	फतेहगढ से कचनारा 18 कि0मी0

2. राज्य मार्ग सं0 31–

क्र0	तहसील	विवरण
1	मन्दसौर	राजपुरिया से बिलात्री 35 कि0मी0
2	सीतामऊ	बिलात्री से धतुरिया चम्बल नदी 25 कि0मी0

3. राज्य मार्ग सं0 31 ए

क0	तहसील	विवरण
1	भानपुरा	झालावाड रोड, राजस्थान सीमा से गॉधी सगर 55 कि0मी0

जिले में प्रत्येक वर्ष सड़क दुर्घटना के कारण लगभग 70 से 80 व्यक्तियों की मृत्यु हो जाती है। प्रत्येक दिन 3 से 4 केस अस्पताल में आते है। विगत वर्षों में घटित दुर्घनाओं का विवरण निम्नवत है–

क्र0	वर्ष	दुर्घटनाओं की संख्या	घायल	मृत
1	2004	470	690	73
2	2005	526	797	63
3	2006	522	805	80
4	2007	592	828	87

स्त्रोतः जिला संख्यिकी पुस्तिका, मन्दसौर

9. रेल दुर्घटनायें

जिला मन्दसौर में रेल दुर्घटना को भी एक प्रमुख खतरे के रूप में चिन्हित किया गया है। यहॉ पर किसी बडी दुर्घटना का पूर्व इतिहास उपलब्ध नही है। जिले में कुल 14 रेल्वे स्टेशन है जिनका विवरण निम्नवत है–

क0	डिवीजन	रेल्वे स्टेशन
1	53 रतलाम डिवीजन	कचनारा, कचनारा रोड, दलोदा, मन्दसौर, पिपल्यामंडी, मल्हारगढ,

2	53 कोटा डिवीजन	नाथूखेडी, सुवासरा, हंसपुरा, शामगढ, गरोठ, कुरलासी, धुआखेडी, भेसौदामडी, भुवानीमडी

10. नाव दुर्घटना

जिला मन्दसौर में नाव दुर्घटना को भी एक प्रमुख के रूप में चिन्हित किया गया है ज्यादातर गॉधी सागर में नाव के द्वारा लोग आन जाना करते हैं।

क0	तहसील	संचालन स्थल
1	गरौठ	1. खडावदा से रामपुरा जिला नीमच 2. बालोदा से चचोर जिला नीमच 3. बर्रामा से रामपुरा जिला नीमच
2	शामगढ	1. बोरखेडीघाटा से रामपुरा/संजीत/आंत्री
3	सीतामऊ	एल्बी से हिन्गोरिया तहसील मल्हारगढ

11. रसायनों का परिवहन एवं संग्रहण

जिला मन्दसौर में रसायनों का परिवहन एवं संग्रहण को भी एक प्रमुख खतरे के रूप में चिन्हित किया गया है। जिले से गुजरने वाले प्रमुख मार्गों से खतरनाक रसायनों का परिवहन होता रहता है। अतः यहॉ पर रसायनिक आपदा का खतरा विद्यमान है। यद्यपि जिले में अभी तक किसी बडी रसायनिक दुर्घटना की सूचना नही है।

12. खदान सम्बंधी दुर्घटनायें

जिला मन्दसौर में खदान सम्बंधी दुर्घटनायों को भी एक प्रमुख खतरे के रूप में चिन्हित किया गया है। पर यहॉ पर खदान सम्बंधी दुर्घटना का कोई पूर्व इतिहास नही है। जिले की मन्दसौर तहसील के मुल्तानपुरा एवं आसपास का क्षेत्र तथा मल्हारगढ तहसील में कनघटी एवं गोगरपुरा में सर्वाधिक खदानें मौजूद हैं।

13. महामारी

जिला मन्दसौर में महामारी को भी एक प्रमुख खतरे के रूप में चिन्हित किया गया है। प्रथम कार्यशाला के दौरान प्रतिभागी अधिकारियों से चर्चा के दौरान अवगत कराया गया कि विगत 25 वर्षों में जिला मन्दसौर में कोई बडी महामारी घटित नही हुई है। परंतु सघन बसाहट होने के कारण नगर पंचायत एवं नगरपालिका क्षेत्रों में महामारी का खतरा हमेशा विद्यमान है।

14. सूखा

जिले में लगातार कम वर्षा होने के कारण कुछ तहसीलों एवं ग्रामों में सूखे की स्थिति निर्मित हो रही है। कुछ बडी नदियों को छोडकर ज्यादातर नदियों में पानी गर्मी आने के पहले ही सूख जाता है जिससे खेती के लिये एवं जिले के ज्यादातर हिस्से में पीने के पानी भी समस्या आ जाती है। जिले का लगभग सम्पूर्ण भाग सूखे से प्रभावित होता है।

15. ओला बृष्टि

जिला मन्दसौर में ओला वृष्टि भी महत्वपूर्ण खतरे के रूप में विद्यमान है। यहॉ पर वर्ष 1991, 1993, 1998 एवं 2006, 2009 में ओला वृष्टि से फसलों को काफी नुकसान हुआ था।

16. दंगा

जिला मन्दसौर में दंगा को भी एक महत्वपूर्ण खतरे के रूप में चिन्हित किया गया है। जिले की सीतामऊ, मन्दसौर, शामगढ तहसीले दंगा के लिए अतिसंवेदनशील हैं। विगत कुछ वर्षों में जिले में हुये दंगों का विवरण निम्नवत है–

क्र0	वर्ष	दंगों की संख्या
1	2004–05	35
2	2005–06	40
3	2006–07	58
4	2007–08	53

स्त्रोतः जिला संख्यिकी पुस्तिका, मन्दसौर

17. एच आई वी/एड्स

मन्दसौर जिले में बॉछडा जाति का निवास है, इनमें देह व्यापार का भी प्रचलन है। यहॉ पर सडक के किनारे निवास करने वाले बॉछडा जाति के लोगों को अतिसंवेदनशील माना गया है। जिले में मल्हारगढ, सीतामऊ, मन्दसौर, गरौठ, दलौदा एच आई वी/एड्स के लिए काफी संवेदनशील हैं।

जिले में उपलब्ध मानव संसाधन, मशीन, सामग्री– किसी भी आपदा के समय प्रभावी अनुक्रिया तभी संभव हो सकती है जब कि आपदा का सामना करने के लिए आवश्यक मानव संसाधन, मशीनरी तथा अन्य आवश्यक सामग्री पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हो। उपरोक्त को दृष्टिगत रखते हुए जिला मन्दसौर में उपलब्ध संसाधनो का विश्लेषण

किया गया है जिसके अन्तर्गत जिले में उपलब्ध मानव संसाधन, मशीनरी जैसे कटिंग मशीन, डोजर, डम्पर, एम्बुलेंस, अग्निशमन वाहन, सामग्री वाहन, उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाएं, प्रशिक्षित पुलिस एवं होमगार्ड के जवानों का विवरण विभिन्न विभागों के पास उपलब्ध मशीनरी एवं संसाधन, जिले में उलपब्ध पेट्रोल पम्पों, दवाईयों की दुकानों की सूची, वाहनों का विवरण इत्यादि का विस्तृत विवरण अनुलग्नक के रूप में जिला आपदा प्रबंध कार्य योजना में संलग्न है।